27.10.2015

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित नहीं। वकील वादी व वादी स्वयं को बार-बार आवाज लगाई फिर भी हाजिर नहीं। बाद वादी अदम हाजरी व अदम पैरवी में खारीज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तकमील तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Sanjay Kumar
Date: 2025.10.31 13:23:49 IST
Reason: SelfAttested